बच्‍चों के जन्‍मदिन की आराधना विधि

द्वारा लिखित डॉ. अजय लाल/ डॉ. इन्‍दु लाल
गुरुवार, 27 मार्च 2008 21:53 -

आराधना की पुकार - यहोवा तुझे आशीष दे और तेरी रक्षा करे, यहोवा तुझ पर अपने मुख का प्रकाश चमकाए, और तुझ पर अनुग्रह करे, यहोवा अपना मुख तेरी ओर करे, और तुझे शान्ति दे- आमीन!
प्रयोजन-

आज हम यहां एक‍त्रित हुए हैं कि ---------(बच्‍चे का नाम) जन्‍मदिन मनाएं। आप सब जिन्‍होंने हमारे आमंत्रण को स्‍वीकार किया और हमारे आनन्‍द में सहभागी हुए हैं आप सबको हम ह्रदय से धन्‍यवाद और स्‍वागत करते हैं। ये अवसर वास्‍तव में परमेश्‍वर को धन्‍यवाद देने का है। आइए हम परमेश्‍वर की महिमा और स्‍तुति में उत्‍साह और आनन्‍द के साथ एक गीत गाएंगे। गीत क्रमांक-------।
गीत- (1) धन्‍यवाद ! धन्‍यवाद ! धन्‍यवाद !
धन्‍यवाद, धन्‍यवाद, धन्‍यवाद
सारी आशीषों के सोते धन्‍यवाद
सारी आशीषें आती ऊपर से
धन्‍यवाद, धन्‍यवाद, धन्‍यवाद
सारी आशीषों के सोते धन्‍यवाद।
(अथवा गीत क्रमांक..........।)
(2) नन्‍हें मुन्‍हें बच्‍चों आओं चलें। 1.
नन्‍हें मुन्‍हें बच्‍चों आओं चलें।
प्‍यारे मसीह से हम बातें करें।
कोरसः-
मिलके चलें, मिलके चलें, प्‍यारे मसीह से हम बातें करें।
2. खाना और कपड़ा वह देता हमें,
मामा और पापा और भाई बहनें।
3. छोटा प्‍यारा यीशु कभी न लड़ा,
हम भी किसी से कभी न लड़े।
4. कितनी अच्‍छी चीजें वह देता हमें,
छोटा सा दिल भी उसी को दे दें।
5. प्‍यार से बुलाता है यीशु तुम्‍हें,
उछलते और कूदते और गाते चलें।
(अथवा गीत क्रमांक .... ।)
(3) मैं यीशु नूर में साथ चलूंगा 1.

मैं यीशु के नूर में साथ चलूंगा
दिन और रात उसके पीछे मैं चलूंगा
नूर में चलूंगा पीछे चलूंगा
यीशु मेरा मुंजी मसलूब
कोः-

चलते-चलते नूर में यीशु के साथ (हालेलूय्याह)

1 / 17

बच्‍चों के जन्‍मदिन की आराधना विधि

द्वारा लिखित डॉ. अजय लाल/ डॉ. इन्‍दु लाल
गुरुवार, 27 मार्च 2008 21:53 -

चलते-चलते थामते यीशु के हा‍थ
नूर में मैं रहूंगा फ़तह पाऊंगा
मैं नूर में चलता चलूंगा।
2. मैं यीशु के नूर में साथ चलूंगा
हो अन्‍धेरी रात मैं न डरूंगा
पैर उठाऊंगा दिल से गाऊंगा
यीशु मेरा मुंजी मसलूब।
3.
मैं यीशु के नूर में साथ चलूंगा
जब कभी आवाज़ उसकी सुनूंगा
उससे कहूंगा तुझे सब दूंगा
यीशु मेरा मुंजी मसलूब।

4. मैं यीशु के नूर में साथ चलूंगा
ताकते ताकते रोज़ मदद पाऊंगा
रंज या खुशी हो या नज़दीक हो मौत

यीशु मेरा मुंजी मसलूब।
5. मैं यीशु के नूर में साथ चलूंगा
अपनी आंख उसकी तरफ लगाऊंगा
हाथ में ले सलीब झंडा है अजीब
यीशु मेरा मुंजी मसलूब।
बाईबिल पाठ-
अवसर से संबधित अपने जीवनों की शिक्षा के लिए बाइबिल पाठ सुन लेंगे।
‘‘

जो परमप्रधान की शरण में वास करता है, वह सर्वशक्तिमान की छाया में ठिकाना पाएगा। मैं यहोवा के विषय कहूंगा, वह मेरा शरणस्‍थान और मेरा दृढ़ गढ़, है, वह मेरा परमेश्‍वर है जिस पर मैं भरोसा रखता हूं। क्‍योंकि वही तुझे बहेलिए कें जाल से और महामारी से बचाता है। वह अपने पंखों से तुझे ढांप लेगा, और उसके परों तले तू शरण लेगा, उसकी सच्‍चाई ढाल और झिलम है। तू न रात के आतंक से, और न दिन के उड़ते तीर से भयभीत होगा; न उस महामारी से जो अन्‍धकार में फैलती, और न उस उस विनाश से जो दोपहर में उजाड़ता है। तेरे निकट हज़ार और तेरे दाहिने हाथ दस हज़ार गिरेंगे, पर वह तुझ तक नहीं पहूंचेगा। तू तो केवल अपनी आंखों से निहारेगा, और दुष्‍टों का अन्‍त देखेगा। क्‍योंकि तू ने यहोवा को, जो मेरा शरणस्‍थान है, अर्थात् परम-प्रधान को अपना निवास स्‍थान बनाया है। इसलिए न कोई विपत्ति तुझ पर आएगी, न कोई दुख तेरे डेरे के निकट आने पाएगा। क्‍योंकि वह अपने दूतों को तेरे विषय में आज्ञा देगा, कि वे सब मार्गो में तेरी रक्षा करें। वे तुझे हाथों-हाथ उठा लेंगे, ऐसा न हो की तेरे पैर में पत्‍थर से ठेस लगे। तू सिंह और नाग को कुचलेगा, जवान सिंह और अजगर को तू रौंदेगा। उसने मुझ से प्रेम किया है, इसलिए मैं उसे छुड़ाऊंगा; मैं उसे ऊंचे स्‍थान पर सुरक्षित रखूंगा, क्‍योंकि उसने मेरा नाम जान लिया है। जब वह मुझे पुकारेगा तब मैं उसे उत्‍तर दूंगा; संकट के समय मैं उसके साथ रहूंगा, मैं उसे छुड़ाऊंगा और उसका सम्‍मान बढ़ाऊंगा। मैं उसे दीर्घायु से तृप्‍त

2 / 17

बच्‍चों के जन्‍मदिन की आराधना विधि द्वारा लिखित डॉ. अजय लाल/ डॉ. इन्‍दु लाल
गुरुवार, 27 मार्च 2008 21:53 -

करूंगा और अपने उद्धार का दर्शन कराऊंगा।
’’

(भजन संहिता 91:1-16)
‘‘

क्‍या तुम नहीं जानतें? क्‍या तुमने नहीं सुना? यहोवा सनातन परमेश्‍वर और समस्‍त पृथ्‍वी का सृष्टिकर्ता है। वह न थकता, न श्रमित होता है। उसकी बुद्धि‍ अगम है। व‍ह थके हुए को बल और शक्तिहीन को सामर्थ्‍य से भर देता है। तरूण तो थकते और श्रमित हो जाते हैं, और जवान ठोकर खाकर गिरते हैं, परन्‍तु जो यहोवा की बाट जोहते हैं वे नया बल प्राप्‍त करते जाएंगे, वे उकाबों के समान पंख फैलाकर ऊंचाई पर उड़ेंगे, वे दौंड़ेंगे और श्रमित न होंगे, वे चलेंगे पर थकेंगे नहीं।
’’

(यशायाह40:28-31)
‘‘

मत डर, क्‍योकि मैं तेरे संग हूं। इधर-उधर मत ताक, क्‍योंकि मैं तेरा परमेश्‍वर हूं। मैं तुझे दृढ़ करूंगा और निश्‍चय ही तेरी सहायता करूंगा, और अपने धर्ममय दाहिने हाथ से तुझे सम्‍भाले रहूंगा। मैं यहोवा हूं, मैने तुझे धार्मिकता में बुलाया है, मैं तेरा हाथ थामकर तेरी रक्षा भी करूंगा, और मैं तुझे प्रजा के लिए वाचा तथा जातियों के लिए प्रकाश ठहराऊंगा।
’’

(यशायाह 41:10, 42:6)
‘‘

परन्‍तु अब, हे याकूब, तेरा सृष्टिकर्ता- हे इस्राएल, तेरा सृजनहार यहोवा यों कहता है, मत डर, क्‍योंकि मैंने तुझे छुड़ा लिया है; मैंने तुझे नाम लेकर बुलाया है, तू मेरा ही है! जब तू जल में से होकर जाए, मैं तेरे संग संग रहूंगा, और जब तू नदियों में से होकर चलें, वे तुझे न डुबाएंगी। तब तू अग्नि में से होकर चले तो वह तुझे न झुलसाएगी, न ही उसकी लौ तुझे जलाने पाएगी।
’’

3 / 17

बच्‍चों के जन्‍मदिन की आराधना विधि
द्वारा लिखित डॉ. अजय लाल/ डॉ. इन्‍दु लाल
गुरुवार, 27 मार्च 2008 21:53 -

(यशायाह43:1-3)
‘‘

हे याकूब के घराने, हां इस्राएल के घराने के शेष बचे हुए सब लोगों, मेरी सुनोः मैं तुम्‍हें गर्भ से ही उठाए और जन्‍म से ही लिए फिरा हूं। तुम्‍हारे बुढ़ापे में भी वैसा ही बना रहूंगा, और मैं तुम्‍हारे बाल पकने के समय तक तुम्‍हें उठाए रहूंगा। मैंने ही तम्‍हें बनाया और मैं तुम्‍हें लिए फिरूंगा। मैं तुम्‍हें उठाए रहूंगा और छुड़ाता रहूंगा। क्‍या यह हो सकता है कि कोई माता अपने दुधमुंहे बच्‍चे को भूल जाएं या कोई अपने ही गर्भ से जन्‍मे पुत्र पर दया न करे? चाहे ये भूल जाएं तो भूल जाएं, परन्‍तु मैं तुझे नहीं भूलूंगा। देख, मैंने तेरा नाम अपनी हथेली पर खोद कर लिख लिया है; तेरी शहरपनाह निरन्‍तर मेरे सामने है।
’’

(यशायाह 46:3-4, 49:15-16)
‘‘

मैं अपनी आंखें पर्वतों की ओर उठाऊंगा; मुझे सहायता कहां से मिलेगी? सहायता तो मुझे यहोवा की ओर से मिलती है, जो आकाश और पृथ्‍वी का कर्ता है। वह तेरे पैर को फिसलने न देगा; तेरा रक्षक नहीं

4 / 17

बच्‍चों के जन्‍मदिन की आराधना विधि
द्वारा लिखित डॉ. अजय लाल/ डॉ. इन्‍दु लाल
गुरुवार, 27 मार्च 2008 21:53 -

ऊंघेगा
। देख, इस्राएल का रक्षक न तो ऊंघेगा, न सोएगा। यहोवा तेरा रक्षक है; यहोवा तेरी दाहिने ओर आड़ है। न तो दिन को सूर्य, न रात को चन्‍द्रमा तुझे कुछ हानि पहूंचाएगा। यहोवा सारी विपत्ति से तेरी रक्षा करेगा; वह तेरे प्राण की रक्षा करेगा। यहोवा तेरे आने-जाने में तेरी रक्षा अब से सदा तक करता रहेगा।
’’

(भजन संहिता 121:1-8)

प्रार्थना के पूर्व कहें- आज हम

यहां एकत्रित हुए हैं कि........ (बच्‍चे का नाम)‍ का जन्‍मदिन मनाएं। परमेश्‍वर ने........... को आशीष के रूप मे .... (माता-पिता का उपनाम) परिवार में भेजा है। पिछले .... वर्षो में परमेश्‍वर ने .... (बच्‍चे का नाम)

5 / 17

बच्‍चों के जन्‍मदिन की आराधना विधि
द्वारा लिखित डॉ. अजय लाल/ डॉ. इन्‍दु लाल
गुरुवार, 27 मार्च 2008 21:53 -

को सुरक्षित रखा है और आगे बढ़ाया है। आज जब ...... (बच्‍चे का नाम) ने नये वर्ष में प्रवेश किया है तो आइए हम इस बालक/बालिका पर परमेश्‍वर की आशीष मांगे और उसे घन्‍यवाद

प्रार्थना- हे पिता परमेश्‍वर, हमारे सृजनहार, पालनहार, और तारणहार, प्रेमी, दयालु और अनु्ग्रहकारी परमेश्‍वर, हम प्रभु यीशु मसीह के नाम से अपने इस प्रिय परिवार तथा उनके प्रियजनों के एक

6 / 17

बच्‍चों के जन्‍मदिन की आराधना विधि
द्वारा लिखित डॉ. अजय लाल/ डॉ. इन्‍दु लाल
गुरुवार, 27 मार्च 2008 21:53 -

मन होकर तेरे अनुग्रह के सिंहासन के सामने आते है। हम तेरा ह्रदय से धन्‍यवाद करते है तेरे सारे उपकारों एवं आशीषों के लिए। पिता हम इस समय विशेष रूप से धन्‍यबाद करते हैं .... (बच्‍चे का नाम) के लिए। धन्‍यवाद देते हैं कि तू ने इस बेटे/बेटी को आशीष के रूप में .... परिवार में भेजा। धन्‍यवाद देते कि पिछले वर्ष में तूने उसे संभाला, उसकी रक्षा की और उसको अच्‍छा स्‍वास्‍थ्‍य दिया। धन्‍यवाद देते हैं उसके प्रेम के लिए और उसके परिवार में विशेष स्‍थान के लिए धन्‍यवाद देते हैं पिता उसकी उन उपलब्धियों एवं सफलताओं के लिए जो वह तेरी दया, आशीष एवं अगुवाई में हासिल कर सका/सकी। पिता परमेश्‍वर, जबकि इस बेटा/बेटी ने नये वर्ष में प्रवेश किया है, हमारी तुझसे प्रार्थना है कि जैसे तू ने अब तक इसे संभाला है आगे भी तू ही उसकी रक्षा और रखवाली

7 / 17

बच्‍चों के जन्‍मदिन की आराधना विधि
द्वारा लिखित डॉ. अजय लाल/ डॉ. इन्‍दु लाल
गुरुवार, 27 मार्च 2008 21:53 -

कर। हर प्रकार की विप‍त्ति, दुर्घटनाओं, बुराईयों एवं बीमारियों से तू उसे बचा। इसको अच्‍छा स्‍वास्‍थ्‍य, अच्‍छी बुद्धि‍, ज्ञान और समझ तू प्रदान कर। परिवार का प्रत्‍येक जन और तेरी सम्‍पूर्ण कलीसिया इस बालक/बालिका को एक ऐसा मसीही वातावरण दे जिससे वह तुझे प्‍यार करना सीख सके और तेरे वचन के प्रकाश में तेरे मार्ग पर आगे बढ़कर तेरे नाम का सशक्‍त गवाह बन सके।

आज के आनन्‍द के अवसर पर जो केक/स्‍वल्‍पाहार/भोजन तैयार किया गया है, वह तेरी ओर से आशीषित हो कि इसको ग्रहण करने के द्वारा हम जो शक्ति प्राप्‍त करें उससे ऐसा विश्‍वासयोग्‍यता का जीवन जिएं, जिससे हम दूसरों के लिए आशीष का और तेरे कार्यो को विस्‍तार देने का और तेरी गवाही का

8 / 17

बच्‍चों के जन्‍मदिन की आराधना विधि
द्वारा लिखित डॉ. अजय लाल/ डॉ. इन्‍दु लाल
गुरुवार, 27 मार्च 2008 21:53 -

माध्‍यम बन सकें। हमारी एकता, प्रेम और सहभागिता तेरी और से आशीषित हो। फिर से सम्‍पूर्ण आयोजन पर, उपस्थित जन पर और विशेष रूप से .... पर तेरी आशीष मांगते हैं और इस विनती को अपने उद्धारकर्ता, मुक्तिदाता प्रभु यीशु मसीह के नाम से मांगते हैं। आमीन!

आशीष वचन- यहोवा तुझे आशीष दे और तेरी रक्षा करे, यहोवा तुझ पर अपने मुख का प्रकाश चमकाए, और तुझ पर अनुग्रह करे; यहोवा अपना मुख तेरी ओर करे, और तुझे शान्ति दे। (गिनती 6:24-26)

केक कटाई - यदि केक हो तो सभी आमंत्रित

9 / 17

बच्‍चों के जन्‍मदिन की आराधना विधि
द्वारा लिखित डॉ. अजय लाल/ डॉ. इन्‍दु लाल
गुरुवार, 27 मार्च 2008 21:53 -

बच्‍चों को, परिवारजनों को सामने बुला लें। केक पर लगी मोमबत्‍ती को जिसका जन्‍मदिन है वह एक ही फूंक से बुझा दे। फिर छुरी से एक बार केक को काट दे। सभी मिलकर ताली बजाएं और मिलकर गाएं

जन्‍मदिन का गीत- (हैप्‍पी बर्थ डे टू यू)

HAPPY BRITH DAY TO YOU

Happy brith day to you (2)

10 / 17

बच्‍चों के जन्‍मदिन की आराधना विधि
द्वारा लिखित डॉ. अजय लाल/ डॉ. इन्‍दु लाल
गुरुवार, 27 मार्च 2008 21:53 -

Happy brith day dear -------- (name)

Or (Happy brith day god bless you)

Happy brith day to you

1. Happy long

11 / 17

बच्‍चों के जन्‍मदिन की आराधना विधि
द्वारा लिखित डॉ. अजय लाल/ डॉ. इन्‍दु लाल
गुरुवार, 27 मार्च 2008 21:53 -

life to you (2)

Happy long life dear --------- (name)

Or (Happy

12 / 17

बच्‍चों के जन्‍मदिन की आराधना विधि
द्वारा लिखित डॉ. अजय लाल/ डॉ. इन्‍दु लाल
गुरुवार, 27 मार्च 2008 21:53 -

long life God bless you)

Happy long life to you.

2. May the
13 / 17

बच्‍चों के जन्‍मदिन की आराधना विधि
द्वारा लिखित डॉ. अजय लाल/ डॉ. इन्‍दु लाल
गुरुवार, 27 मार्च 2008 21:53 -

dear Lord bless you (2) May the dear Lord bless you-------?

14 / 17

बच्‍चों के जन्‍मदिन की आराधना विधि
द्वारा लिखित डॉ. अजय लाल/ डॉ. इन्‍दु लाल
गुरुवार, 27 मार्च 2008 21:53 -

May the dear Lord bless

you-------? स्‍पल्‍पाहार/भोजन

15 / 17

बच्‍चों के जन्‍मदिन की आराधना विधि
द्वारा लिखित डॉ. अजय लाल/ डॉ. इन्‍दु लाल
गुरुवार, 27 मार्च 2008 21:53 -

वितरण-
इस समय मसीही गीत या गीतों की धुन बजाना उपयुक्‍त होगा
।

16 / 17

बच्‍चों के जन्‍मदिन की आराधना विधि

द्वारा लिखित डॉ. अजय लाल/ डॉ. इन्‍दु लाल
गुरुवार, 27 मार्च 2008 21:53 -

17 / 17